स्वनिम

सृजन और शोध की संदर्भित एवं पूर्व-समीक्षित त्रैमासिक पत्रिका

पत्रिका के बारे में :

'स्वनिम' हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ की एक संस्थागत पत्रिका है। यह हिन्दी के सर्जनात्मक साहित्य, शोध और आलोचना पर केन्द्रित पूर्वसमीक्षित व संदर्भित त्रैमासिक पत्रिका है। पत्रिका की मूल विषयवस्तु में हिन्दी साहित्य की प्रमुख विधाए शामिल की गई हैं। वास्तव में साहित्य की नाना विधाओं में नवोन्मेष की दृष्टि से छत्तीसगढ़ का हमेशा से ऐतिहासिक महत्त्व रहा है। छायावाद की पहली आलोचना मुकुटधर पांडेय ने यहीं से लिखी थी। यशस्वी लेखक माधवराव सप्रे ने पड़ोस के पेंड्रा कस्बा, जो कि अब जिला मुख्यालय हो चुका है, यहीं रहते हुए हिंदी की पहली कहानी 'टोकरी भर मिट्टी' लिखी थी। 'एक भारतीय आत्मा' कहे जाने वाले पंडित माखनलाल चतुर्वेदी ने 'पुष्प की अभिलाषा' जैसी कविता, जो कालांतर में स्वाधीनता संग्राम का राष्ट्रीय स्वर बन गयी, उसे बिलासपुर की केंद्रीय जेल में रहते हुए लिखा था। ऐसे में यहां के हिन्दी विभाग की रचनात्मक पहल स्वरूप **'स्वनिम'** पत्रिका का सम्पादन और प्रकाशन की ऐतिहासिक शुरुआत है। हिन्दी विभाग की यह शुरुआत निश्चय ही शोध व साहित्य के खाली छूट गए पन्नों को भरने का कार्य करेगी। हिन्दी साहित्य में नवाचार हेतु पत्रिका प्रतिबद्ध है। यह उसका मूल दायित्व है।

यह पत्रिका ऑनलाइन माध्यम से प्रकाशित होती है। जो कि गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित होती है। पत्रिका में हिन्दी साहित्य, समाज, संस्कृति व इतिहास से संबन्धित विषयों पर रचनाएं स्वीकार की जाती हैं।

क्षेत्र व उद्देश्य :

आज हिन्दी में पत्रिकाओं की कोई कमी नहीं है। 'हंस', 'कथादेश', 'पाखी', 'शब्दिता', 'कथाक्रम', 'अकार' और 'तद्भव' के क्रम में सैकड़ों नाम हैं जो अव्यावसायिक स्वरूप में निहायत निजी प्रयासों और संसाधनों के बल पर निरंतर निकल रही हैं तब एक बड़े और केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग को क्यों नहीं इस बड़े दायित्व में सहभागिता करनी चाहिए? यह सवाल कई सालों से टीस बनकर रह जाती थी। बीते समय में कभी बनारस और प्रयाग साहित्य के केंद्र हुआ करते थे; आज दिल्ली, भोपाल, लखनऊ और पटना हिन्दी साहित्य के नये केंद्र बन कर उभरे हैं। ऐसे में अरपा तीरे बसे अपने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की यह कोशिश होगी कि मुकम्मल रचनाशीलता का एक ऐसा समानांतर केंद्र विकसित किया जा सके जो भले ही राष्ट्र के भौगोलिक और राजनीतिक मानचित्र के हाशिये पर अवस्थित हो, लेकिन जिसका स्वर और स्वरूप राष्ट्रीय और अखिल भारतीय हो। पत्रिका का मूल उद्देश्य साहित्य में पीछे छूट गए उन सभी तथ्यों व पक्षों को

रेखांकित करना है। हिन्दी साहित्य और इससे संबन्धित अन्य अनुशासनों में जो कुछ भी अच्छा लिखा व पढ़ा जा रहा है उन सभी को प्रकाशित करना है। आज भी हिन्दी साहित्य के भीतर कई ऐसे पक्ष हैं जिन्हें रेखांकित किया जाना बाकी है। इस पत्रिका में हिन्दी साहित्य की सभी विधाओं के अंदर नवाचार को शामिल किया जाएगा।

संक्षिप्त जानकारी -

नाम	: स्वनिम
आवृत्ति	: मासिक (पूर्व-समीक्षित)
भाषा	: हिन्दी
प्रकाशन का प्रकार	: ऑनलाइन (ओपेन एक्सेस)
ईमेल	: gauri.tripathi@ggu.ac.in
प्रकाशक	: संस्थागत

संपादक मण्डल की सूची -

संरक्षक

प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल

कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

समन्वयक

प्रो. शैलेंद्र कुमार

कुलसचिव, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

प्रधान संपादक

प्रो. देवेंद्र नाथ सिंह

अध्यक्ष हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

ई-मेल – pipnar@gmail.com

संपादक

डॉ. गौरी त्रिपाठी

सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

ई-मेल - gauri.tripathi@ggu.ac.in

सह-संपादक

डॉ. रमेश कुमार गोहे

सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
ई-मेल – rameshggvhindi@gmail.com

श्री मुरली मनोहर सिंह

सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
ई-मेल – muralibhuhindi@gmail.com

डॉ. अनीश कुमार

सहायक प्राध्यापक (तदर्थ), हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
ई-मेल – anishaditya52@gmail.com

संपादक मण्डल व समीक्षक मण्डल -

डॉ. राजेश मिश्र

सहायक प्राध्यापक (तदर्थ), हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
ई-मेल – rajeshmishrabhu@gmail.com

डॉ. शोभा बिसेन

सहायक प्राध्यापक (तदर्थ), हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
ई-मेल – shobha.ktg@gmail.com

डॉ. अखिलेश गुप्ता

सहायक प्राध्यापक (तदर्थ), हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
ई-मेल – akhilesh.src@gmail.com

डॉ. लोकेश कुमार

सहायक प्राध्यापक (तदर्थ), हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
ई-मेल – lokeshkumarnarware@gmail.com

डॉ. अप्पासाहेब जगदाले

सहायक प्राध्यापक (तदर्थ), हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
ई-मेल – jagadaleappasaheb@gmail.com

डॉ. अनुपमा कुमारी

सहायक प्राध्यापक (तदर्थ), पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

ई-मेल – anu.media.jk@gmail.com

परामर्श मण्डल -

प्रो. अनुपमा सक्सेना

प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

ई-मेल – anupama66@rediffmail.com

प्रो. प्रवीन कुमार मिश्रा

प्राध्यापक, इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

ई-मेल – pravinmishra2010@gmail.com

लेखकों के लिए सामान्य दिशा-निर्देश -

1. कविता, कहानी, लघुकथा, उपन्यास अंश सहित सभी साहित्यिक विधाओं की रचनाएं स्वीकार की जाएंगी। एक रचनाकार एक बार में चार से अधिक कवितायें न भेजें।
2. नए विषयों पर आलोचनात्मक लेख, शोध-आलेख व नई पुस्तकों की समीक्षा स्वीकार की जाएंगी। समीक्षकीय पुस्तकों का चयन पत्रिका द्वारा किया जाएगा।
3. लेख व आलोचनात्मक लेख नए विषयों पर एकाग्र हों। उसकी स्थापनाएं स्पष्ट हों। उनमें बेवजह संदर्भों की उबासी न हो।
4. रचनाएँ भेजते समय फोटो के साथ अपना संक्षिप्त परिचय (दो-तीन पंक्तियों में) अवश्य दें।
5. पुस्तक समीक्षा भेजते समय समीक्षित पुस्तक व लेखक का भी संक्षिप्त परिचय अवश्य भेजें। समीक्षकीय पुस्तक छः महीना से अधिक पुरानी न हो।
6. मौलिक रचनाएं ही स्वीकृत होंगी। मौलिकता के लिए एक संक्षिप्त घोषणा-पत्र देना होगा।
7. शोध-पत्र के लिए संदर्भ साँचा (उद्धरण) ए.पी.ए. शैली में स्वीकृत है। पाठ (Text) के अंदर पादटिप्पणी (Footnote) अवश्य दें।
8. रचनाएँ सिर्फ हिन्दी भाषा (देवनागरी लिपि) में और यूनिकोड (कोकिला या मंगल) फॉन्ट में तथा फॉन्ट साइज 16 में टाइप की हुई ही स्वीकृत होंगी।
9. लेखकों से अनुरोध रहेगा कि अपने लिखे से पूरी तरह संतुष्ट हो जाने के बाद ही प्रकाशन के लिए भेजें। गुणवत्ता और मौलिकता का जरूर ध्यान रखें। हम बेहद सम्मान के साथ आपको प्रकाशित करेंगे।
10. लेखकों को किसी भी प्रकार के साहित्यिक चोरी से बचना चाहिए।

11. पहले से प्रकाशित रचनाएँ/आलेख पुनः प्रकाशन के लिए नहीं भेजना चाहिए।
12. रचनाएँ प्रकाशित करने का अंतिम अधिकार संपादक मण्डल के पास सुरक्षित है। अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए हमें ई-मेल **gauri.tripathi@ggu.ac.in** करें। पत्रिका का प्रत्येक अंक ऑनलाइन माध्यम से PDF में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा।

साहित्यिक चोरी -

स्वनिम पत्रिका साहित्यिक चोरी के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति का पालन करती है। पाण्डुलिपियों की प्रकाशन से पूर्व साहित्यिक चोरी की जांच की जाती है जो यूजीसी के नियमों के अधीन है। यदि उसमें साहित्यिक चोरी पाई जाती है तो उसे तत्काल अस्वीकार कर दिया जाता है।

खुला उपयोग (ओपन एक्सेस) -

यह पत्रिका पूरी तरह से निःशुल्क है। विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर इसके सभी अंक पीडीएफ़ माध्यम से ऑनलाइन उपलब्ध रहते हैं। यह सेवा संस्थानों के लिए भी निःशुल्क उपलब्ध है।

वैधानिक चेतावनी -

स्वनिम में प्रकाशित रचनाओं के साथ हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर या संपादकों की सहमति होना आवश्यक नहीं है। सर्वाधिकार संपादक मण्डल के पास सुरक्षित है। समस्त कानूनी विवादों का न्यायक्षेत्र बिलासपुर, छत्तीसगढ़ होगा। सभी संपादन कार्य अवैतनिक है।

प्रकाशक व संपादकीय पता

डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ. ग.), पिनकोड - 495009
वेबसाइट - www.ggu.ac.in
ई-मेल - **gauri.tripathi@ggu.ac.in**

संपर्क :

वेबसाइट - www.ggu.ac.in
ई-मेल - **gauri.tripathi@ggu.ac.in**